

REGISTRATION FORM
NATIONAL SEMINAR
On
Innovative Frontiers in Applied Sciences
September 26-28, 2019

Organized by
Chemical Society, Department of Chemistry
C.M.P. College
(A constituent P.G. College of Allahabad University)
Prayagraj-211 002 (INDIA)
In collaboration with
Vijnana Parishad Prayag
(Local Chapter) Prayagraj-211 002 (INDIA)

Name :
Designation :
Affiliation :
Address :
E-mail :
Telephone :
Presentation : Oral Poster

Please complete this registration form and mail a scanned copy to ifaschm2019@gmail.com or send a hard copy before August 30, 2019 to

Chemical Society
Department of Chemistry
C.M.P. College, Prayagraj-211002 (INDIA)
Date : Signature

(Photocopy of the Form may also be used)

HOW TO REACH PRAYAGRAJ

Prayagraj is accessible by air and train from all parts of the country. There is a network of bus services from all the Northern States. The Venue is about 6 Km from Prayagraj Junction and 10 Km from Prayagraj Airport.

DEPARTMENT OF CHEMISTRY

Department of Chemistry is biggest department among all departments of CMP College. This department has 22 teaching and 9 non-teaching staff. The research areas in which work is being pursued are in the field of Synthetic Organic Chemistry, Polymeric Materials, Solar Cell, Coordination Chemistry, Materials Chemistry, Supramolecular Chemistry and Medicinal Chemistry. Faculty members of the Department have undertaken projects worth Rs. 1.1 Crore from various funding agencies like UGC, DST, CSIR, etc.

ABOUT VIJNANA PARISHAD PRAYAG

Vijnana Parishad was established in 1913. It is working in the field of science popularization and dissemination in Hindi and other Indian Languages.

NATIONAL ADVISORY COMMITTEE

- Prof. Jagdamba Singh (AU, Prayagraj, UP)
- Prof. Satish Awasthi (DU, Delhi)
- Prof. K.K. Upadhyaya (BHU, Varanasi, UP)
- Prof. Surya Prakash Singh (IIT, Hyderabad, Telangana)
- Prof. Anand Prakash Mishra (H.S. Gaur University, Sagor, MP)
- Dr. Sheila Srivastava (Firoz Gandhi PG College, Raibareilly, UP)
- Prof. Janhavi Singh (UP College, Varanasi, UP)
- Dr. Hemlata Pant (CMP College, Prayagraj, UP)
- Mr. Devvrat Dwivedi (Executive Secretary, Vijnana Parishad Prayag, UP)

NATIONAL SEMINAR
on

Innovative Frontiers in Applied Sciences

September 26-28, 2019



Organized by
Chemical Society
Department of Chemistry
C.M.P. College
(A constituent P.G. College of Allahabad University)
Prayagraj-211 002 (INDIA)

In collaboration with
Vijnana Parishad Prayag
(Local Chapter)
Maharshi Dayanand Marg
Prayagraj-211 002 (INDIA)

CIRCULAR INVITATION

THE THEME OF SEMINAR

Applied science is a point of intersection between research & development and its actual application in the real world. All the frontiers in innovations play an instrumental role in advancement of applied research areas. The seminar seeks to explore the essential gist of such innovations, their possible applications in various fields, foster the creative and applicative thinking of researchers and stimulate more of such initiatives. It is desired that the academic discourse in the present seminar will bring positive results and insight for the near future.

Thrust Area of the Seminar:

- Polymers in Applied Sciences
- Save the Planet Earth
- Renewable Energy
- Natural Product and Drug Discovery
- Material Science for Mankind
- Field for Future
- Molecular Biology
- Waste Management
- Tissue Culture and Genetically Modified Crops
- Water Conservation

Call for Abstract:

Submission of abstract (not exceeding 500 words) for invited talk and (250 words) for Oral/Poster presentation should be submitted to the address for correspondence latest by August 30, 2019.

Font Style: Times New Roman, MS Word format.
Font Size: 12 (For Text, Author's name, Affiliation & E-mail ID).

Font Size: 14 (For Title)
Line Spacing: 1.5, leaving 1- inch margin on all sides on A-4 page.

ORGANIZING COMMITTEE

Chief Patron	: Ch. Jitendra Nath Singh (President, K.P. Trust, Prayagraj)
Patron	: Dr. Brijesh Kumar (Principal, CMP College, Prayagraj)
Chairperson	: Prof. Shiv Gopal Mishra (Pradhan Mantri, Vijnana Parishad Prayag Prayagraj)
Co-chairperson	: Dr. Archana Pandey Dr. Sunanda Das
Convener	: Dr. Deepa Srivastava
Co-Convener	: Dr. Anil Kr. Shukla Dr. Roli Srivastava Dr. Babita Agrawal Dr. Santosh Kr. Srivastava Dr. Arti Gupta Dr. Mejidula Tripathi
Organizing Secretary	: Dr. Abhishek Srivastava
Co-Organizing Secretary	: Dr. Praveen Tripathi Dr. Pravin Kr. Singh Dr. Vishal Srivastava Dr. Ashok Kr. Ranjan Dr. Ranjeet Kumar
General Secretary	: Dr. Akram Ali
Joint Secretary	: Dr. Dharmendra Kr. Sahu Dr. Monika Singh Dr. Pramod Kumar Dr. Deepanjali Pandey Ms. Himani Chaurasia
Treasurer	: Dr. Arjita Srivastava

IMPORTANT DATES

Deadline	
For Abstract Submission	August 30, 2019
For Registration	August 30, 2019
Date of Seminar	September 26-28th, 2019

Registration Fee	
Academicians	Rs. 1200/-
Research Scholars	Rs. 1000/-
Others	Rs. 800/-

Note:
On the spot registration fee will be extra Rs. 200/- with above mentioned registration fee.

ADDRESS FOR CORRESPONDENCE

Convener:
Mobile: 09452797906, 9415367142, 8004411230
Abstract can be submitted to Email ID :
ifaschm2019@gmail.com

Registration fees can be submitted online
SYNDICATE BANK PRAYAGRAJ
(Branch : Prayag)
A/C No. 86162010035853
IFSC : SYNB0008616

VENUE
Auditorium
Vijnana Parishad Prayag
(Vijyan Parishad Prayag)
Prayagraj-211 002 (INDIA)

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

आज रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल सोसायटी एवं विज्ञान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में "इनोवेटिव फ्रंटियर्स इन एप्लाइड साइंसेज" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रो.के.बी. पांडेय ने कहा कि मेडिशनल प्लांट के बारे में जब दुनिया जानती नहीं थी। उस समय हमारे यहां के ऋषियों मनीषियों ने आयुर्वेद में बहुत से पेड़ पौधों के औषधीय गुणों की खोज कर इलाज में प्रयोग कर रहे थे। उन्होंने कहा

कि एक पौधे के कितने औषधीय उपयोग हो सकते हैं इस पर गहन शोध की आवश्यकता है। आज के वैज्ञानिक जिस पौधे की मेडिकल प्रॉपर्टी के बारे में बताते हैं कोई जड़ों पर कार्य करता है, कोई तने पर पर, कोई पत्तियों पर फिर भी पौधे के समस्त औषधीय गुणों के बारे में जानकारी नहीं मिल पाती है। नैनो पार्टिकल का उपयोग करते हुए कुछ लाभकारी कंपाउंड लोगों ने बनाया है। बेहतर होगा जो भी रिसर्च हम लेबोरेटरी में कर रहे हैं। उसको लेकर गांवों में जाएं किसानों को उससे कुछ लाभ हो जिससे उनका स्वाभिमान जगे, आत्मविश्वास जगे, नवयुवकों को रोजगार दे सकें तभी हमारे कार्य की उपयोगिता है। उन्होंने कहा हमारे रिसर्च का तभी कोई मतलब है जब देश व समाज के हित में उसका कोई योगदान हो। उन्होंने बताया कि अकेले नीम के अंदर लगभग 150 फाइटोकेमिकल्स निकाले जा चुके हैं जिसके अंदर एंटीबायोटिक, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीवायरल, एनालजेशिक, एंटीफंगल आदि औषधीय गुण विद्यमान हैं।

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए के पी.ट्रस्ट के अध्यक्ष चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह ने कहा कि आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से परेशान है। हर वर्ष आइसबर्ग के पिघलने से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है एक दिन दुनिया का ज्यादातर हिस्सा जलमग्न हो सकता है। आज जल संरक्षण की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एक भी बूंद जल कम नहीं हुआ है बल्कि जल चक्र गड़बड़ हुआ है। उसी को ठीक करने की जरूरत है, वृक्ष एवं जल एक दूसरे के पूरक हैं। जीवाश्म ईंधन भी हमारे पास सीमित मात्रा में हैं, उसके वैकल्पिक स्रोत पर हमें कार्य करना होगा। कालेज के प्राचार्य डा. ब्रजेश कुमार ने कहा कि भारतीय परंपरा पूरी तरह से वैज्ञानिक है हमारे ऋषि मनीषी वैज्ञानिक थे जिन्होंने धर्म एवं प्रवचनों के माध्यम से हमको बहुत सी ऐसी शिक्षा बहुत पहले दी है जिनको आज का विज्ञान अभी तक खोज नहीं सका है।

प्रो. कृष्णा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाइयां दी। केमिकल सोसाइटी के संस्थापक डॉ. अशोक रंजन सकसेना ने सोसाइटी के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि जो

कुछ हम लैबोरेटरी में करते हैं उसे समाज के बीच ले जाएं लोगों के साथ संवाद स्थापित करें। इस अवसर पर कालेज के रसायन विज्ञान विभाग की संयोजिका डॉ. अर्चना पांडेय की पुस्तक 'तन और मन का रसायन' का विमोचन मंचासीन अतिथियों ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. दीपा श्रीवास्तव ने किया। तीन दिन के कार्यक्रम की रिपोर्ट सचिव डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की तथा संचालन डॉ. आरती गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में वालेंटियर के रूप में सक्रिय रहे एम.एस.सी.के छात्रों को सम्मानित भी किया गया साथ ही विभाग के शिक्षणत्तर कर्मचारियों को भी सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. अर्चना पांडेय, डॉ. रोली श्रीवास्तव, डॉ. सुनंदा दास, डॉ. संतोष श्रीवास्तव, डॉ. आरती गुप्ता, डॉ. मृदुला त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. प्रवीण त्रिपाठी, डॉ. विशाल, डॉ. मोनिका सिंह, डॉ. दीपांजलि पांडेय, डॉ. अकरम अली, डॉ. अर्जिता श्रीवास्तव, डॉ. अशोक रंजन, डॉ. रंजीत कुमार, मिस हिमानी चौरसिया आदि उपस्थित रहे।



केमिकल सोसायटी एवं विज्ञान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में "इनोवेटिव फ्रंटियर्स इन एप्लाइड साइंसेज" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी



रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी